भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4243

जिसका उत्तर 18 मार्च, 2026 को दिया जाना है ।

27 फाल्गुन, 1947 (शक)

वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन के प्रतिभागी

4243. श्री प्रभाकर रेड्डी वेमिरेड्डीः
श्री पुट्टा महेश कुमारः

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) दिल्ली में आयोजित वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन में भारत के साथ-साथ अन्य देशों से भाग लेने वाले व्यक्तियों, स्टार्टअप, कंपनियों, उद्यमियों और वैश्विक नेतृत्व कर्ताओं (पुरुष, महिला एवं अन्य) की कुल संख्या का ब्यौरा क्या है;
(ख) भारत सरकार और अन्य कंपनियों, सरकारी संस्थाओं तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के बीच हस्ताक्षरित/सहमति प्राप्त प्रमुख पहलों, समझौतों और समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का ब्यौरा क्या है;
(ग) उन पहलों, समझौतों और समझौता ज्ञापनों के कुल मूल्यांकन संबंधी ब्यौरा क्या है, जिनके द्वारा देश में उक्त कार्यों के माध्यम से रोजगार के संभावित सृजन और प्रशिक्षण के अवसर उत्पन्न हो सकते हैं;
(घ) क्या सरकार ने देश में उभरती प्रौद्योगिकियों के संबंध में इस प्रकार के आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित करने पर विचार किया है जिससे कि हमारे नागरिकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लाभों के बारे में संवेदनशील और सूचित किया जा सके; और
(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (ङ): माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप सरकार प्रौद्योगिकी विकास और पहुंच का लोकतंत्रीकरण कर रही है। स्वास्थ्य सेवा, कृषि, शिक्षा और शासन जैसे क्षेत्रों में वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए एआई का उपयोग करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। एआई में भारत की बढ़ती ताकत को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है। स्टैनफोर्ड एआई इंडेक्स हमें एआई कौशल और क्षमताओं में वैश्विक अग्रणियों में रखता है। भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा एआई स्टार्टअप इकोसिस्टम का हब है, जिसमें पिछले साल लगभग 89% स्टार्टअप एआई संचालित थे।

भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026

वैश्विक एआई इकोसिस्टम में भारत की बढ़ती भूमिका को देखते हुए, देश ने पेरिस एआई एक्शन समिट 2025 की सह-अध्यक्षता की और बाद में 16-21 फरवरी 2026 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की मेजबानी की।

यह अब तक का सबसे बड़ा एआई शिखर सम्मेलन था और ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला पहला शिखर सम्मेलन था। यह बदलाव एक अधिक समावेशी वैश्विक एआई संवाद की ओर एक व्यापक कदम का संकेत देता है।

शिखर सम्मेलन में सरकारों, उद्योग, शिक्षाविदों, नागरिक समाज और स्टार्टअप के अग्रणियों को एक मंच पर लाया गया। इसमें 22 राष्ट्राध्यक्षों या शासनाध्यक्षों सहित 100 से अधिक देशों और लगभग 10 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने भाग लिया।

भाग लेने वाले देशों ने एशिया, यूरोप, अफ्रीका, अमेरिका और ओशिनिया के क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में संयुक्त राष्ट्र एजेंसियां और बहुपक्षीय विकास बैंक शामिल थे।

शिखर सम्मेलन में व्यापक भागीदारी देखी गई, जिसमें लगभग 6 लाख लोगों ने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया और लाइव वर्चुअल स्ट्रीमिंग के माध्यम से 9 लाख से अधिक संचयी दृश्य देखे गए।

शिखर सम्मेलन के दौरान घोषित प्रमुख पहलें और परिणाम:

- शिखर सम्मेलन के दौरान सात विषयगत कार्य समूहों द्वारा किए गए कार्यों को स्वीकार करते हुए घोषणा के साथ 92 देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट घोषणा का समर्थन किया गया
- नई दिल्ली फ्रंटियर एआई इम्पैक्ट प्रतिबद्धताओं पर 13 प्रमुख मॉडल प्रदाताओं द्वारा हस्ताक्षर किए गए
- प्रत्येक डिलिवरेबल के लिए 20+ देशों के व्यक्तिगत समर्थन के साथ 7 कार्य समूहों में 12 डिलिवरेबल्स [पिछले शिखर सम्मेलनों की तुलना में काफी अधिक]
    - 30+ देशों में 80+ प्रभाव कहानियों के साथ ग्लोबल एआई इम्पैक्ट कॉमन्स का शुभारंभ
    - अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के साथ साझेदारी में न्यायसंगत एआई ट्रांजिशन प्लेबुक का विमोचन
    - लचीले, अभिनव और कुशल एआई के लिए स्वैच्छिक मार्गदर्शक सिद्धांतों पर हस्ताक्षर, 20+ देशों द्वारा समर्थित।
    - एआई के युग में रीस्किलिंग के लिए स्वैच्छिक मार्गदर्शक सिद्धांतों पर हस्ताक्षर, जिसका 24 देशों द्वारा समर्थन किया गया है।
    - 25 देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के समर्थन से एआई के लोकतांत्रिक प्रसार के लिए चार्टर को अपनाना
    - लचीले एआई बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ाने के लिए प्लेबुक का विमोचन
    - एआई गवर्नेंस पर मार्गदर्शन नोट जारी करना, जिसका 22 देशों ने समर्थन किया
    - औपचारिक लॉन्च से पहले 23 भागीदार देशों के साथ विश्वसनीय एआई कॉमन्स की घोषणा
    - एआई के माध्यम से समावेशन को आगे बढ़ाने के लिए गठबंधन की घोषणा की गई, 21 देशों और यूनिसेफ द्वारा इसका समर्थन किया गया
    - शुरुआत में 20 भागीदार देशों के साथ विज्ञान संस्थानों के लिए एआई नेटवर्क का शुभारंभ
    - फ्रांस और यूनेस्को के साथ साझेदारी में रेजिलिएंट एआई चैलेंज का शुभारंभ
- एआई उत्तरदायित्व अभियान - वैश्विक रिकॉर्ड: भारत ने 2.5 लाख से अधिक मान्य प्रतिज्ञाओं के साथ "24 घंटों में एआई जिम्मेदारी अभियान के लिए प्राप्त सबसे अधिक प्रतिज्ञाओं" के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड सफलतापूर्वक हासिल किया।
- उच्च प्रभाव वाले एआई परिनियोजन का दस्तावेजीकरण करने वाली छह वैश्विक केसबुक जारी की गईं, जिनमें शामिल हैं:
    - स्वास्थ्य में एआई (डब्ल्यूएचओ के साथ)
    - ऊर्जा में एआई (आईईए के साथ)
    - लैंगिक सशक्तिकरण में एआई (संयुक्त राष्ट्र महिला के साथ)
    - कृषि में एआई (महाराष्ट्र सरकार के साथ, विश्व बैंक द्वारा समर्थित)
    - शिक्षा में एआई (सीएसएफ और एकस्टेप फाउंडेशन के साथ)
    - एक्सेसिबिलिटी में एआई (एएलआईएमसीओ, आईआईआईटी-बैंगलोर और चेंजइंक फाउंडेशन के साथ)

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा एआई इम्पैक्ट स्टार्टअप बुक भी लॉन्च की गई, जो भारत के एआई और डीप-टेक स्टार्टअप इकोसिस्टम में अंतर्दृष्टि प्रस्तुत करती है।
शिखर सम्मेलन में एआई मूल्य श्रृंखला में निवेश प्रतिबद्धताओं की घोषणाएं भी हुईं, जिसमें बुनियादी ढांचे, फाउंडेशन मॉडल, हार्डवेयर और अनुप्रयोगों में 250 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के अपेक्षित निवेश शामिल हैं।

वैश्विक उद्यम पूंजी फर्मों ने एआई नवाचार का समर्थन करने के लिए बहु-अरब डॉलर के निवेश का वादा किया, जबकि एक अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनी ने कनेक्टिविटी, भारत में एक एआई हब और लाखों लोक सेवकों और छात्रों तक पहुंचने वाले बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण पहल में महत्वपूर्ण निवेश की घोषणा की।

शिखर सम्मेलन ने एआई इकोसिस्टम में संवाद, साझेदारी और निवेश घोषणाओं के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

शिखर सम्मेलन के परिणामों में भारत के एआई प्रतिभा पूल को मजबूत करने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण, कौशल और क्षमता निर्माण पहल की घोषणाएं शामिल थीं। इन पहलों से लाखों छात्रों और लोक सेवकों तक पहुंचने की उम्मीद है, जिससे देश भर में एआई और डिजिटल कौशल में वृद्धि होगी। एआई बुनियादी ढांचे के विस्तार, एआई मूल्य श्रृंखला में निवेश और एआई-संचालित नवाचार के विकास से देश में एआई अनुसंधान, डेटा विज्ञान, कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे और डिजिटल सेवाओं जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण रोजगार और उद्यमिता के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन/सहमति

भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में भारत पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल हुआ। गठबंधन में संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य भागीदार देश शामिल हैं और यह वैश्विक सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने और एक लचीले प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान ही इंडियाएआई मिशन और बिजनेस स्वीडन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और भारत और स्वीडन के बीच व्यापार और निवेश जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए एक स्टेटमेंट ऑफ इंटेंट (एसओआई) पर भी हस्ताक्षर किए।

सरकार नागरिकों, उद्योग और शिक्षाविदों के बीच जागरूकता, क्षमता निर्माण और जिम्मेदार तरीके से स्वीकार करने को बढ़ावा देने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सहित उभरती प्रौद्योगिकियों पर नियमित रूप से कार्यक्रमों और आउटरीच पहलों के आयोजन के महत्व को पहचानती है।

इस संबंध में, सरकार इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) और इंडियाएआई मिशन के माध्यम से कई पहल कर रही है, जिसमें जीपीएआई शिखर सम्मेलन 2023, ग्लोबल इंडियाएआई शिखर सम्मेलन 2024, नवाचार चुनौतियां, शैक्षणिक सहयोग आदि जैसे वैश्विक सम्मेलनों का आयोजन शामिल है।

शिखर सम्मेलन ने स्वास्थ्य सेवा, कृषि, शिक्षा और शासन जैसे क्षेत्रों में एआई की क्षमता के बारे में हितधारकों को संवेदनशील बनाने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य किया, साथ ही जिम्मेदार और समावेशी एआई विकास को भी बढ़ावा दिया।

*****